सम्पादकीय
क्रान्ति का नया अध्याय लिख रही हैं युग निर्माणी बेटियाँ 2

नवयुग की संरचना की बुनियाद रखते विशाल गायत्री महायज्ञ 4

उज्जैन शक्तिपीठ पर नवदम्पति सम्मेलन 5

दक्षिण गुजरात को मिला युगतीर्थ का विशिष्ट प्यार और प्रोत्साहन 6

शान्तिकुञ्ज में छाया वसंत
हमें अपनी भावनाओं की शक्ति से रुग्ण समाज को बदलना होगा 8

समाज निर्माण एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए समर्पित

E-mail: news@awgp.org

पाक्षिक

प्रज्ञा अभियान मध्यप्रदेश

संस्थापक, संरक्षक : युगऋषि पं श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा

16 फरवरी 2025

वर्ष : 37, अंक : 16
प्रकाशन स्थल : शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार
प्रकाशन तिथि : 12 फरवरी 2025
वार्षिक चंदा : ₹ 80/-
वार्षिक चंदा (विदेश) : ₹ 1000/-
प्रति अंक : ₹ 4/-

RNI-NO.38653/ 1980 Postel R.No.UA/DO/DDN/ 16 / 2024-26 Licenced to Post Without Prepayment vide WPP No. 04/2024-26

।। ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरिण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

उस प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अंतःकरण में धारण करें। वह परमात्मा हमें सन्मार्ग में प्रेरित करे।

सद्विचार और संस्कारों की गंगा बहाकर
नवयुग का शंखनाद कर रही हैं देवियाँ

नारी शक्तिस्वरूपा है। हमारी देव संस्कृति में दुर्गा, काली, सरस्वती, लक्ष्मी, अंबा, संतोषी न जाने कितने रूपों में मातृशक्ति की उपासना की जाती है। निःसंदेह युग निर्माण आन्दोलन की बुनियाद परम पूज्य गुरुदेव का तप और उनके क्रान्तिकारी विचार हैं, किन्तु इन विचारों से प्रभावित जनमानस को अपने स्नेह के सूत्र में बाँधकर एक विराट देव परिवार का रूप देने वाली शक्तिस्वरूपा परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा ही हैं। वर्तमान समय में स्नेहसलिला श्रद्धेया शैल जीजी के स्नेह-संरक्षण में अखिल विश्व गायत्री परिवार का स्वरूप निरंतर विराट होता चला जा रहा है।

असुरता-अवांछनीयताओं के दमन के लिए जब मातृशक्ति संगठित होती है, तब वह दुर्गा का रूप धारण कर लेती है। इन दिनों किशोरियों और युवतियों की एक विराट सेना के रूप में युगशक्ति गायत्री का वही दुर्गा रूप आकार लेता दिखाई दे रहा है। कतिपय बेटियों के मन में उभरे संकल्प और उनके द्वारा विगत 5 वर्षों में किए गए अथक परिश्रम से आज 24000 देव कन्याओं की विराट सेना आकार ले चुकी है, जो घर-घर जाकर लोगों के विचार और संस्कारों में क्रान्तिकारी परिवर्तन ला रही है।

संकल्प
जन्मशताब्दी वर्ष-2026 तक पूरे देश में सवा लाख ऐसी कन्याओं/युवतियों की वाहिनी तैयार करना, जो नियमित उपासना-साधना के साथ केसरिया वस्त्र पहनकर समाज के नवनिर्माण के कार्यों में पूरी तरह समर्पित हों।

परम पूज्य गुरुदेव एवं परम वंदनीया माताजी के सूक्ष्म संरक्षण और शक्ति अनुदानों के साथ इस विराट देव सेना को श्रद्धेया शैल जीजी और श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी का भी भरपूर प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है। श्रद्धेया जीजी ने विश्वास व्यक्त किया कि ये बेटियाँ परम वंदनीया माताजी की जन्मशताब्दी में सबसे बड़ी सौगात लेकर आयेंगी। आगे चलकर ये बेटियाँ मिशन की बागडोर सँभालेंगी। समग्र अभियान का नेतृत्व कर रही सिरसौद, खण्डवा (मध्यप्रदेश) की क्रान्तिकारी कन्या पूर्णिमा पंवार जन्मशताब्दी वर्ष में सवा लाख युग निर्माणी बेटियों का उपहार परम वंदनीया माताजी के श्रीचरणों में समर्पित करने के लिए अथक परिश्रम कर रही है। श्रद्धेया शैल जीजी ने पूर्णिमा के विषय में कहा कि वह स्वयं में सवा लाख बेटियों के बराबर है।

> **ये बेटियाँ परम वंदनीया माताजी की जन्मशताब्दी में सबसे बड़ी सौगात लेकर आयेंगी।**
> **- परम श्रद्धेया शैल जीजी**

प्यास बुझ गई, भूख अभी बाकी है

प्रचलित प्रवाह के विपरीत समाज को बदल देने के वासंती संकल्प रखने वाली हजारों बेटियों के विषय में यह अभिव्यक्तियाँ अनायास नहीं हैं। यह उनके हिमालय जैसे उदात्त संकल्प, अटूट निष्ठा, कड़ी मेहनत और रंग लाते उनके परिणामों की परिभाषा ही है। पाँच वर्षों के सतत प्रयासों के यह अभियान मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश में अपना विराट स्वरूप ले चुका है। विगत दिनों सिरसौद, खण्डवा (मध्यप्रदेश) में विराट कन्या कौशल शिविर सम्पन्न हुआ। पूरी तरह से मिशन में रम चुकी 5100 कन्याओं ने इसमें भाग लिया। इसकी सफलता के साक्षी बने आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने प्रतिभागियों से एक ही बात कही थी, ''प्यास बुझ गई, भूख अभी बाकी है।'' उनका आशय जन्मशताब्दी तक सवा लाख कन्याओं को मिशन से जोड़ने के संकल्प की सिद्धि से था।

प्रज्ञा अभियान के मध्यप्रदेश संस्करण के प्रकाशन के लिए हमारी मंगलकामनाएँ

हमारे सभी परिजन भलीभाँति यह जानते हैं कि परम पूज्य गुरुदेव के इस अभियान को गति देने में मध्यप्रदेश की बहुत बड़ी भूमिका रही है। भावनाशील प्रज्ञा परिजन बहुत बड़ी संख्या में हमारे इस प्रान्त में हैं। निश्चय ही पूज्यवर की मार्मिक अपील सभी सुनेंगे और निश्चित ही बढ़-चढ़कर इसमें भागीदारी करेंगे। युगसंधि के महत्त्वपूर्ण दो दशक अभी आने हैं। इसे पढ़ने वाले पास बैठकर प्रत्यक्ष मार्गदर्शन ही इसमें पायेंगे, साथ ही अपने देश के कई अंचलों की प्राणवान आहुतियाँ भी पढ़ सकेंगे।

डॉ. प्रणव पण्ड्या **शैलबाला पण्ड्या**

डॉ. चिन्मय पण्ड्या
प्रति कुलपति, देव संस्कृति विश्वविद्यालय,
शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार।

शुभकामना संदेश

गुरुसत्ता की प्रेरणा एवं आशीर्वाद का साकार रूप प्रज्ञा अभियान पत्रिका के मध्यप्रदेश संस्करण के प्रकाशन के लिए हृदय से बधाई ।

वास्तव में यह सकारात्मक बदलाव एवं नवाचार का प्रबल हेतु बने, ऐसी हमारी अंतर्मन से आकांक्षा है। सार्थक सदुद्देश्य के लिए कदम बढ़ाने का संकल्प और साहस व साथ ही एक श्रेष्ठ संकल्प भाव के साथ यह नवीन पहल सिद्धि तक पहुँचे ऐसी अभिलाषा।

प्रेरणा एवं प्रकाश के प्रति ग्रहण करने का भाव आज प्रत्येक के लिए आवश्यक है। विश्व के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में यह पत्रिका सर्वोपयोगी बने, ऐसी कामना एवं प्रार्थना सर्वकल्याणी माता गायत्री से हम अन्तर्मन से करते हैं।

हमें यह विश्वास है कि प्रज्ञा अभियान पत्रिका के मध्यप्रदेश संस्करण के पठन-पाठन से समस्त विद्वानों, जिज्ञासुओं एवं सर्वसाधारण का सफल ज्ञानवर्धन होगा। इसकी प्रेरणा एवं परम्परा अक्षय बनी रहे, ऐसी कामना भी करते हैं।

डॉ. चिन्मय पण्ड्या

क्रान्ति का नया अध्याय लिख रही हैं युग निर्माणी बेटियाँ

बच्चों के शिक्षक और अभिभावक पूछते हैं-हमें स्वर्ग (शान्तिकुञ्ज) के दर्शन कब कराओगे ?

किसी राष्ट्र की युवा पीढ़ी ही उसका भविष्य निर्धारित करती है। इस दृष्टि से अपने गायत्री परिवार का हस्तांतरण युवा पीढ़ी के हाथों में होना बहुत ही उत्साहवर्धक और आनन्ददायक है। श्रद्धेय डॉक्टर साहब और श्रद्धेया शैल जीजी की प्रेरणा, मार्गदर्शन, आशीर्वाद तथा आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी, आदरणीया शेफाली जीजी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में मिशन में युवाशक्ति की सक्रियता बढ़ती जा रही है। यह परिवर्तन अनायास नहीं है। यह 'इक्कीसवीं सदी-उज्ज्वल भविष्य' और 'इक्कीसवीं सदी-नारी सदी' के उद्घोषक परम पूज्य गुरुदेव, परम वंदनीया माताजी की एक सुनिश्चित योजना प्रतीत होती है। मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर उप जोन तथा उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर के समीपवर्ती जिलों में चल रहा कन्या कौशल संवर्धन अभियान इस तथ्य का सहज आभास कराता है।

दैवी चेतना का अद्भुत प्रभाव

लगभग 10 वर्ष पूर्व एक गरीब आदिवासी परिवार की किशोरी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के माध्यम से परम पूज्य गुरुदेव के विचारों के संपर्क में आई। मन में गायत्री उपासना से जीवन को श्रेष्ठता की ओर ले जाने और अपने समाज के उत्थान के लिए कुछ कर गुजरने की हूक उठी। जैसे-जैसे गायत्री उपासना-साधना बढ़ती गई, मन में सक्रियता की उमंगें हिलोरें लेने लगीं, संकल्प दृढ़ होता चला गया। ग्राम सिरसौद, जिला खण्डवा (मध्यप्रदेश) की निवासी उस किशोरी कुमारी पूर्णिमा पंवार ने अपनी मंजिल की ओर पहला कदम अपने पिता और परिवार के लोगों की शराब और मांसाहार की आदत छुड़वाने के साथ बढ़ाया।

परम पूज्य गुरुदेव के आशीर्वादों की दिव्य अनुभूतियों के साथ कुमारी पूर्णिमा ने अपने समाज की कन्याओं के जीवन को ऊँचा उठाने का बीड़ा उठाया। वह विद्यालयों में जाकर अपनी बात कहने लगी। गुरुकृपा से तभी उसका संपर्क गायत्री परिवार के एक प्राणवान कार्यकर्त्ता स्व. श्री रामचंद्र मुकाती जी एवं श्री बृजेश पटेल से हुआ, जो पहले से ही अपने खण्डवा जिले को एक आदर्श युग निर्माणी जिले के रूप में विकसित करने के लिए सक्रिय थे। राजस्थान के खेतड़ी, जिला झुंझुनू में हुए एक सम्मेलन में श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी ने बृजेश पटेल को अपने आप में एक चलती-फिरती संस्था बताया था। दो प्राणवान संकल्प मिले तो सिद्धि की ओर कदम तेजी से बढ़ने लगे।

पूर्णिमा ने सर्वप्रथम ऐसी गरीब कन्याओं को अपना सहयोगी बनाया, जो मजदूरी कर अपने माता-पिता की घरेलू जरूरतों को पूरा करने में हाथ बँटाती हैं। उन्हें छोटे-छोटे साधनात्मक कार्यक्रमों से जोड़ा। कन्याओं का स्वभाव और जीवन बदलने लगा, जिसका प्रभाव उनके परिवारी जनों पर भी पड़ा। पूर्णिमा और ओंकारेश्वर उपजोन के प्राणवान कार्यकर्त्ताओं के साझा प्रयासों से गाँव-गाँव कन्याओं के मण्डल बनते चले गए।

यह अभियान आज एक विराट रूप ले चुका है। परम वंदनीया माताजी की जन्मशताब्दी तक सवा लाख सद्गुणी, संस्कारवान, युग निर्माण आन्दोलन के लिए समर्पित कन्याओं के निर्माण का अभियान पूरे देश में बहुत तेजी से गतिशील हो रहा है। पूरे देश में कन्या/किशोर कौशल शिविरों की लोकप्रियता निरंतर बढ़ती ही जा रही है।

कन्याओं की सामर्थ्य अद्भुत है

(शान्तिकुञ्ज आई बेटियों से साक्षात्कार में उनकी अभिव्यक्तियाँ)

खण्डवा और सुल्तानपुर की क्रान्तिकारी बेटियाँ 1. पूर्णिमा (परशुरामपुर, बस्ती, उ.प्र.), 2. श्रद्धा सिंह (सुल्तानपुर, उ.प्र.), 3. पूर्णिमा पंवार (सिरसौद, खण्डवा, म.प्र.) , 4. सविता जाट (महेश्वर, खरगोन, म.प्र.)

गुरुदेव के विचारों से जुड़ने के बाद हमारी सोच बदली है, हमारे अंदर इतनी हिम्मत आ गई है कि कैसी भी परिस्थिति हो, हम हर परिस्थिति से लड़ सकते हैं, उनसे तालमेल बिठा सकते हैं। हमारी सोच अच्छी होगी तो हमारी आने वाली पीढ़ी अच्छी होगी। हम बेटियों का आत्मविश्वास और समर्पण भाव लोगों को बहुत प्रभावित करता है। इसी प्रेरणा और अनुभव के साथ हर क्षेत्र में कन्याएँ हमारे अभियान से जुड़ती जा रही हैं।

कन्याएँ समाज को बदलने में अधिक सक्षम और कारगर सिद्ध होती हैं। लोगों में कन्याओं को पूजने का भाव होता है। उन्हें समाज की सहज संवेदना मिलती हैं। उनकी पहुँच चौके तक होती है, अतः वे जनमानस को भलीभाँति प्रभावित करने में सक्षम होती हैं। गृहे-गृहे यज्ञ अभियान के अंतर्गत देखा गया है कि लोग चाहते हैं कि उनके घर यज्ञ का संचालन कन्याओं की टोली ही करे।

हम गायत्री का ध्यान करते हैं तो देश, समाज और गुरुदेव के लिए कुछ अलग कराने का संकल्प उभरता है। हमने घर-घर नर्सरी लगाकर अपना 12000 पौधे लगाने का संकल्प आसानी से पूरा कर लिया, अब एक लाख पौधे लगाने का संकल्प उभरा है। छुट्टियों में नौ-नौ दिवसीय कन्या कौशल शिविर चलाये जाते हैं, जिनमें 70-80 कन्याओं की भागीदारी होती है। 3-4 दम्पति शिविरों का आयोजन कर चुके हैं। हमारी यह सफलता पाँच वर्षों की सक्रियता से कमाए गए विश्वास का परिणाम है।

- पूर्णिमा, परशुरामपुर, जिला बस्ती, उत्तरप्रदेश

मैं बचपन से गुरुदेव का कार्य कर रही हूँ। मिशन का काम करने से हमारी पढ़ाई पर कोई असर नहीं होता, बल्कि अन्य बच्चे जो कार्य छः घण्टे में पूरा करते हैं, मैं उसे एक घण्टे में ही पूरा कर लेती हूँ। मैं इन दिनों कन्या कौशल का पूरा काम करते हुए लॉ की पढ़ाई और यूपीएससी की तैयारी भी बिना किसी दबाव या तनाव के पूरा कर पा रही हूँ।

- श्रद्धा सिंह, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश

हमने 24 गाँव गोद लिये हैं, जिनमें सामूहिक साधना, बाल संस्कार शाला, गृहे-गृहे यज्ञ, कन्या मण्डलों के गठन जैसे कार्य चला रखे हैं। हम गाँव-गाँव, झोंपड़ी-झोंपड़ी तक पहुँच रहे हैं। लोग हमसे बहुत प्रभावित हैं। हर गाँव में कन्या मण्डल तैयार हो रहे हैं। ***- सविता जाट, महेश्वर, खरगोन, मध्यप्रदेश***

मैं पहली बार अपने माता-पिता से जिद करके शान्तिकुञ्ज आई थी। यहाँ के वृत्तांत सुनकर मेरे माता-पिता भी बहुत प्रभावित हुए, तब से मैं तीन बार शान्तिकुञ्ज शिविर में आ चुकी हूँ।

- श्रेया सिंह, सुल्तानपुर, उत्तरप्रदेश

कन्या कौशल के लिए जीवन अर्पण

उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर जिले में डॉ. सुधाकर सिंह जी के नेतृत्व में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का ऐसा ही क्रांतिकारी अभियान सन् 2007 में आरंभ हुआ था, जिसमें कन्याओं के जीवन को निखारने पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अभियान में बड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे श्री राकेश प्रताप सिंह बताते हैं कि सुल्तानपुर और समीपवर्ती प्रतापगढ़, अमेठी, रायबरेली, अयोध्या एवं बस्ती जिलों के लगभग 350 विद्यालयों में जाकर निरंतर कार्यक्रम चलाए गए। इन कार्यक्रमों से बालिकाओं के अभिभावक भी गद्गद हैं। 13 से 17 दिसम्बर 2023 की तिथियों में सुल्तानपुर में प्रांतीय कन्या कौशल शिविर का आयोजन सम्पन्न हुआ, जिसमें 8000 से अधिक कन्याओं की भागीदारी रही।

उत्तरप्रदेश के प्रांतीय कन्या कौशल शिविर की सफलता में भी खण्डवा से आई लगभग 100 कन्याओं की विशेष भूमिका रही। उन्होंने सुल्तानपुर आकर क्रमशः 20 दिन और सवा माह का समयदान किया। उनके जीवन, उनके समर्पण, उनकी शैली और परम पूज्य गुरुदेव के विचारों की प्रस्तुति ने क्षेत्र की कन्याओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वे भी खण्डवा की पूर्णिमा के संकल्प के साथ जुड़कर जन्मशताब्दी वर्ष तक परम वंदनीया माताजी को सवा लाख युग निर्माणी बेटियाँ समर्पित करने के विराट संकल्प के साथ जुड़ गई हैं।

31 जुलाई 2024 को श्री राकेश प्रताप सिंह सेवानिवृत्त हुए, उसके बाद से उन्होंने अपना पूरा समय कन्याओं के उत्थान के लिए अर्पित कर दिया है। वे इन दिनों प्रांतीय कन्या कौशल शिविर के अनुयाज में मिशन से जुड़ रही कन्याओं को देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शान्तिकुञ्ज लाकर विशेष शिविर कराने के अभियान में जुटे हैं। अब तक वे छः शिविरों में लगभग 150 विद्यालयों की 1200 छात्राओं को उनके शिक्षकों के साथ शान्तिकुञ्ज ला चुके हैं। यहाँ की ऊर्जा, विचार और वातावरण से प्रायः सभी बालिकाएँ गद्गद होकर और अपने को बदल कर लौट रही हैं।

शिविर से लौटने के कुछ दिनों बाद बालिकाओं के शिक्षक और अभिभावकों की समीक्षा बैठक रखी जाती है, जिनमें उनकी उत्साहवर्धक प्रतिक्रियाओं को सुनकर मन गद्गद हो जाता है। श्री राकेश प्रताप सिंह बताते हैं कि इन समीक्षा बैठकों में लोग हमसे पूछते हैं कि हमें स्वर्ग के दर्शन कब कराओगे? अनेक लोग तो शान्तिकुञ्ज के शिविरों में भाग लेने आ भी चुके हैं। वे कहते हैं कि हमारा सभी अभिभावकों से एक ही अनुरोध रहता है, ''आप हमें एक बेटी दीजिए, हम उन्हें परम पूज्य गुरुदेव के विचार और संस्कारों के ब्याज के साथ लौटायेंगे।''

धरती पर स्वर्ग उतारेंगी बेटियाँ

खण्डवा की पूर्णिमा पंवार अपनी अनुभूतियों का वर्णन करते हुए बताती है कि इस अभियान से जुड़ रही हर कन्या में गायत्री माता का वास है। सवा लाख सद्गुणी और संस्कारवान बेटियाँ ढाई लाख परिवारों को सँवारेंगी। इन कन्याओं की कोख से देवता जन्म लेंगे। हमारा कन्या/किशोर कौशल संवर्धन अभियान मानव में देवत्व के जागरण और धरती पर स्वर्ग की सृष्टि का बहुत बड़ा माध्यम बनेगा।

हम बेटियों के समग्र विकास के लिए प्रयत्नशील हैं। हम उन्हें जीवन जीने की कला सिखा रहे हैं, उन्हें मिशन की योग्यताओं में दक्ष बना रहे हैं, साथ ही उन्हें तरह-तरह के कुटीर उद्योगों का प्रशिक्षण देकर स्वावलम्बी भी बनाया जा रहा है। उन्हें स्वास्थ्य रक्षा के गुर सिखाये जाते हैं, आत्मरक्षा के लिए लाठी संचालन, जूडो, कराटे आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। जो बेटियाँ अपनी दैनिक मजदूरी आदि छोड़कर मिशन के कार्यक्रमों के लिए समयदान करती हैं, उनका किसी न किसी रूप में आर्थिक सहयोग भी किया जाता है।

हम जोड़ेंगे सवा लाख बेटियाँ - पूर्णिमा पंवार

(लक्ष्य एवं सक्रियता की दिशाधारा)

- सभी कन्याओं का ऑनलाइन पंजीयन करेंगे।
- हर बेटी तक पाक्षिक प्रज्ञा अभियान नियमित रूप से पहुँचाना।
- गायत्री मंत्र लेखन और नौ मिनट की सामूहिक साधना से जोड़ना।
- प्रत्येक को पीत वस्त्रधारी बनाना, अभिभावकों को भी सहमत करना, लोग देवी स्वरूप में कन्याओं का वरण कर वस्त्र दान करते हैं, उसी गाँव के भावनाशील दर्जी सिलाई भी कर देते हैं।
- हर क्षेत्र में यज्ञ और ढपली का प्रशिक्षण चला रहे हैं।
- 551 गाँवों में सद्वाक्य लेखन।
- विद्यालयों में मंत्र लेखन पुस्तिका और साहित्य वितरण।
- प्रत्येक गाँव में माताजी की स्मृति में त्रिवेणी रोपण अभियान चल रहा है।
- गाँव-गाँव स्वच्छता अभियान चल रहा है। 50 गाँवों में स्वच्छता अभियान एवं नशामुक्ति संबंधी रैली सतत निकाली जा रही हैं।
- 24 गाँवों में छोटी-छोटी बेटियाँ सुबह 4 बजे प्रभातफेरी निकालती हैं। यह क्रम सन् 2026 तक निरंतर चलता रहेगा। माताजी की जन्मशताब्दी तक गाँवों की संख्या निरंतर बढ़ती रहेगी।
- पूरे उपजोन, अन्य जिले और अन्य प्रदेशों में जाकर कन्या संस्कार जागरण यात्रा निकालने की योजना है। इनमें 108 कन्याएँ खण्डवा जिले से भेजी जायेंगी।
- 24000 घरों में गृहे-गृहे यज्ञ अभियान के अंतर्गत यज्ञ करा चुके हैं।

परम पूज्य गुरुदेव के हृदयस्थल मध्यप्रदेश से आरंभ हो रही है एक नयी क्रान्ति

जोन-उपजोन समन्वयकों ने गद्गद हृदय और उदात्त संकल्पों के साथ दी अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ

परम वन्दनीया माताजी एवं अखण्ड दीप के जन्म शताब्दी वर्ष की पूर्व वेला में युगतीर्थ शान्तिकुञ्ज ने प्रज्ञा अभियान पाक्षिक का मध्यप्रदेश संस्करण प्रकाशित करने का निर्णय लिया है, यह अत्यन्त प्रसन्नता की बात है। निःसंदेह, प्रादेशिक संस्करण के माध्यम से मध्यप्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों में मिशनरी गतिविधियों का प्रेरणा-प्रकाश पहुँचेगा, जिससे जन-जन आलोकित होगा।

इस ऐतिहासिक अवसर पर परम श्रद्धेय डॉ. साहब, परम श्रद्धेया दीदी व परम आदरणीय डॉ. चिन्मय भैया जी का हम सभी मध्यप्रदेश जोन के परिजन हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। हम यह विश्वास दिलाते हैं कि आपकी आशाओं और विश्वास के अनुरूप प्रज्ञा अभियान पाक्षिक को मध्यप्रदेश के प्रत्येक गाँव तक पहुँचाने का पूर्ण प्रयास करेंगे।

हार्दिक मंगलकामनाओं सहित, सादर प्रणाम।

राजेश पटेल जोन समन्वयक, मध्यप्रदेश जोन

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता है कि शान्तिकुञ्ज-हरिद्वार, प्रज्ञा अभियान पाक्षिक का मध्यप्रदेश संस्करण प्रकाशित करने जा रहा है। प्रज्ञा पाक्षिक के माध्यम से हम जनसाधारण तक गायत्री परिवार की गतिविधियों को पहुँचा सकेंगे। मध्यप्रदेश में हो रही समाज निर्माण एवं संस्कार संबंधी विभिन्न गतिविधियों को आम जनता के बीच में लाने में यह पत्रिका बहुत प्रभावशाली एवं सहायक सिद्ध होगी। हमारी ज्योति कलश यात्रा के माध्यम से जनसाधारण से संपर्क में प्रज्ञा अभियान पाक्षिक एक मील का पत्थर साबित होगा।

प्रज्ञा अभियान मध्यप्रदेश संस्करण के प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त करता हूँ और आशा करता हूँ कि हम सभी के सक्रिय सहयोग से प्रज्ञा पाक्षिक का मध्यप्रदेश संस्करण अपने उद्देश्यों की पूर्ति में सफल होगा और गायत्री परिवार की गतिविधियों को जनसाधारण तक पहुँचाने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देगा।

राकेश कुमार गुप्ता, प्रांतीय शक्तिपीठ प्रकोष्ठ समन्वयक

मध्यप्रदेश को परम पूज्य गुरुदेव ने गायत्री परिवार का हृदय क्षेत्र कहा है और यह बात सौ फीसदी सही है। मध्यप्रदेश में मिशन की गतिविधियाँ वर्तमान में अपनी युवावस्था में हैं। यदि प्रदेश की सभी गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संकलित किया जाए, तो प्रज्ञा अभियान के एक प्रादेशिक संस्करण की आवश्यकता होगी। इसी तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है, यह हम सभी के लिए गर्व और गौरव की बात है।

प्रज्ञा अभियान क्षेत्र में चल रही गतिविधियों का साकार रूप है और जीवन्त विचार प्रवाह है। इसी से परिजनों को प्रेरणा और प्रकाश मिलता है। गुरुदेव का कथन भी है:-

है नहीं तलवार अपने हाथ में तो क्या हुआ,
हम विचारों से ही करेंगे सर फिरों के सर कलम।

केन्द्रीय प्रज्ञा अभियान तंत्र का हार्दिक आभार और मध्यप्रदेश जोन के सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहनों को हार्दिक बधाई।

डॉ रमेश अभिलाषी, प्रांतीय समन्वयक (प्रशिक्षण), मध्यप्रदेश जोन

प्रज्ञा अभियान पाक्षिक के मध्यप्रदेश संस्करण की निरंतर प्रगति के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। उपजोन अमरकंटक के प्रति दायित्व धारक परिजनों से 25 प्रतियों की अपेक्षा करते हुए कुल 4000 प्रतियों का सामूहिक संकल्प लिया गया है।

आशा है कि प्रज्ञा पाक्षिक मध्यप्रदेश के प्रत्येक घर तक पहुँचकर प्रज्ञा की ज्योति बनेगी और ज्योति कलश यात्रा के लिए प्रचंड ज्वाला बनकर मार्ग प्रशस्त कर सकेगा। यही परम पूज्य गुरुदेव और वंदनीया माताजी से हमारी विनम्र प्रार्थना है।

के. एन. योगी, उपजोन समन्वयक, अमरकंटक

आत्मीय स्वजन,

प्रज्ञा अभियान पाक्षिक के मध्यप्रदेश संस्करण के शुभारंभ पर शुभकामनाएँ।

परम वन्दनीया माताजी के जन्मशताब्दी वर्ष एवं अखंड दीपक के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश में मिशन की बढ़ती हुई गतिविधियों के समाचारों को प्रज्ञा अभियान पाक्षिक में उपयुक्त स्थान मिले, इसी आशा के साथ संस्करण की प्रथम प्रति सादर समर्पित है। पूज्य गुरुदेव, वंदनीया माताजी की सूक्ष्म उपस्थिति में मध्यप्रदेश के संपादक मंडल श्री देवेन्द्र जी श्रीवास्तव उज्जैन, श्री महेंद्र जी भावसार बड़वानी, श्री रमेश जी नागर भोपाल एवं सभी परिजनों को मंगलमय कामनाएँ।

जगदीश चंद्र कुलमी,
समन्वयक, मध्यप्रदेश जोन शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार

प्रज्ञा अभियान पाक्षिक के मध्यप्रदेश संस्करण का प्रकाशन एक ऐतिहासिक क्षण है। इस युग में जहाँ अनास्था का भयंकर दानव छाया है, वहीं प्रभु प्रज्ञा बनकर आए हैं और दुष्टता का दमन कर रहे हैं।

इस युग के महाभारत में अखंड ज्योति पत्रिका श्रीकृष्ण की भूमिका में है, युग निर्माण योजना अर्जुन की भूमिका निभा रही है और पाक्षिक प्रज्ञा अभियान संजय की भूमिका में है। संजय के कारण ही संसार यह जान सका कि महाभारत के निर्माण में कब, कहाँ, और क्या हुआ। नवयुग का अवतरण इन तीनों के संगम से ही संभव है।

हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई प्रेषित करता हूँ।

रघुनाथ प्रसाद हजारी, उपजोन समन्वयक, भोपाल

प्रज्ञा अभियान पाक्षिक के मध्यप्रदेश विशेषांक का प्रारंभ हम सभी के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है। इसके माध्यम से मिशन की जानकारी निरंतर जन-जन तक पहुँचती रहेगी।

गुरुसत्ता का आशीर्वाद सदा बना रहे। सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं मंगलकामनाएं।

दिनेश देशमुख, उपजोन समन्वयक छिंदवाड़ा

प्रज्ञा अभियान पाक्षिक के मध्यप्रदेश संस्करण की नई शुरूआत ज्ञान यज्ञ की ज्योति को घर-घर पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है। इसके माध्यम से मिशन की गतिविधियों, जानकारियों और गुरुदेव के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना और भी सहज होगा। गुना उपजोन की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई।

महेश केवट, उपजोन समन्वयक, गुना

31 दिसंबर 2024 को शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार में आदरणीय चिन्मय भैया द्वारा पाक्षिक प्रज्ञा अभियान के मध्यप्रदेश संस्करण की उद्घोषणा के बाद एक क्रांतिकारी ऐतिहासिक कार्य हुआ है। अब प्रदेश के हर घर की पहचान प्रज्ञा अभियान है।

पंडित डी.पी. लवानिया,
उपजोन समन्वयक, ग्वालियर

प्रज्ञा अभियान पाक्षिक विशेषांक के माध्यम से जबलपुर उपजोन की ओर से गायत्री परिवार के सभी परिजनों को शताब्दी वर्ष की विशेष शुभकामनाएँ। हमारा उपजोन तहसील समन्वयकों के माध्यम से प्रज्ञा पाक्षिक को जन-जन तक पहुँचाने के लिए निरंतर तत्पर है। यह प्रयास मातृसत्ता को प्रथम चरण की श्रद्धांजलि होगी।

नरेश तिवारी, उपजोन समन्वयक, जबलपुर

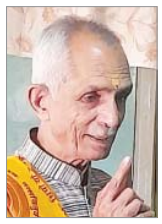

यह अत्यंत हर्ष का समाचार है कि प्रज्ञा अभियान का मध्यप्रदेश संस्करण प्रारंभ हो रहा है। इससे मध्यप्रदेश में संचालित गायत्री परिवार की गतिविधियों को समुचित स्थान मिलने से परिजनों का उत्साहवर्धन होगा। मिशन के कार्यों के समाचार पढ़कर उन्हें हर्ष भी होगा और कार्यक्रमों को गति भी प्राप्त होगी।

श्रीकृष्ण शर्मा, उपजोन समन्वयक, इंदौर एवं
प्रांतीय संयोजक (शिक्षा आंदोलन)

परम वंदनीया माताजी की जन्मशताब्दी एवं अखंड दीप प्राकट्य वर्ष की शताब्दी के शुभ अवसर पर प्रज्ञा अभियान पाक्षिक के विस्तार की जो बृहद योजना बनाई गई है, वह निश्चित रूप से एक सराहनीय कदम है। इसके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में संचालित मिशन की गतिविधियों और नवाचारों की जानकारी सुधी पाठकों तक आसानी से पहुँच सकेगी, जिससे प्रेरणा का संचार होगा।

ओंकारेश्वर उपजोन में हम अपने प्रत्येक जिले में न्यूनतम 1000 पाक्षिक के सदस्य बनाने के संकल्प को जल्दी से जल्दी पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे और इस जन्मशताब्दी वर्ष में हम पूर्णता की ओर पहुँचेंगे। इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ।

पन्नालाल बिर्ला, उपजोन समन्वयक, ओंकारेश्वर

प्रज्ञा अभियान पाक्षिक पत्र मिशन का आधार स्तंभ है, जो मिशन और कार्यकर्त्ताओं को गुरुदेव के सूत्रों से जोड़ने का कार्य करता है। यह पत्र कार्यकर्त्ताओं को एक ऊर्जा प्रदान कर गतिशील करता है और उन्हें नवीन जानकारियाँ भी प्रदान करता है।

प्रज्ञा पाक्षिक पत्र के मध्यप्रदेश संस्करण के शुभारंभ पर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ। इससे परम पूज्य गुरुदेव के विचारों को और उनकी प्राण ऊर्जा को जन-जन तक पहुँचाने के हमारे प्रयासों को बल मिलेगा। यह ज्योति कलश यात्राओं की सफलता में विशेष योगदान देगा। इस प्रकाशन के लिए मैं पूज्य दीदी, श्रद्धेय डॉ. साहब और चिन्मय भैया का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

प्रभाकांत तिवारी,
सहायक जोन समन्वयक भोपाल, उपजोन समन्वयक पड़खुरी एवं व्यवस्थापक, वेद माता गायत्री आश्रम, पड़खुरी

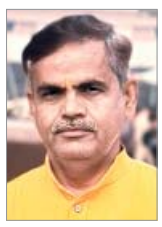

प्रज्ञा अभियान पाक्षिक का मध्यप्रदेश संस्करण प्रारंभ किए जाने पर अपार हर्ष हो रहा है। निश्चित रूप से मध्यप्रदेश मिशन के उद्देश्य को लेकर किए जाने वाले कार्यक्रमों में सदैव अग्रणी रहा है। अतः उक्त कार्यक्रमों को प्रज्ञा अभियान पाक्षिक में प्राथमिकता से प्रसारित किया जाएगा, जिससे हमारे सभी परिजनों को प्रेरणा मिलेगी और मिशन के कार्य में और अधिक गति आएगी। इस नवीन कार्य हेतु मेरी अग्रिम शुभकामनाएँ।

दिलीप कटारे, उपजोन समन्वयक, टीकमगढ़

परम वंदनीया माताजी की जन्म शताब्दी एवं अखण्ड दीपक की शताब्दी के इस पावन अवसर पर हमारा यह दृढ़ संकल्प है कि प्रज्ञा अभियान पाक्षिक का मध्य प्रदेश संस्करण हम हर घर तक पहुँचाएँगे। मिशन के सुप्रसिद्ध गीत- '**हमारा है यह दृढ़ संकल्प, नया संसार बनाएँगे**' को साकार करने का यही अवसर है।

प्रज्ञा अभियान पाक्षिक के मध्यप्रदेश संस्करण के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएँ।

महेश आचार्य, उपजोन समन्वयक, उज्जैन (मध्यप्रदेश)

अब आप 01334-311001 पर फोन कर शान्तिकुञ्ज की नई स्वचालित फोन व्यवस्था (आईवीआर) से शान्तिकुञ्ज के विभिन्न विभागों से सीधा सम्पर्क कर सकते हैं।

नवयुग की संरचना की बुनियाद रखते विशाल गायत्री महायज्ञ समारोह

राजधानी भोपाल के निकट हुआ एक आदर्श 108 कुण्डीय महायज्ञ
संगठन और सहयोग से मिली सफलता से प्रभावित हुआ समाज

मण्डीदीप के विराट 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की दिव्यता की अनुपम छटा

मंडीदीप, भोपाल। मध्यप्रदेश

दिनांक 13-16 जनवरी 2025 की तिथियों में एक विशाल 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। इस महायज्ञ में आगामी दिनों ज्योति कलश यात्राओं के माध्यम से युगचेतना को घर-घर तक ले जाने का उत्साहजनक वातावरण तैयार हुआ। संस्कार संवर्धन की दृष्टि से भी यज्ञ को अभूतपूर्व सफलता मिली, 600 से अधिक लोगों ने मंत्र दीक्षा और उपनयन संस्कार कराए। पूर्णाहुति की पूर्व संध्या पर आयोजित दीप महायज्ञ में प्रज्वलित 11,000 दीपों की दीप मालाओं ने अद्भुत, अलौकिक दिव्यता की अनुभूति कराई।

एसडीएम गोहरगंज श्री चंद्रशेखर जी की यज्ञ में विशेष भागीदारी रही। उन्होंने यज्ञ के माध्यम से जनमानस एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के प्रति अपनी प्रसन्नता व्यक्ति की और बड़े उत्साह के साथ आहुतियाँ समर्पित कीं। उन्होंने गायत्री शक्तिपीठ भोपाल, प्रज्ञा पीठ बरखेड़ा, औबेदुल्लागंज शक्तिपीठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की भी बहुत सराहना की।

यह कार्यक्रम शान्तिकुञ्ज से आई श्री सुनील शर्मा की टोली ने सम्पन्न कराया। उन्होंने इसकी शानदार सफलता को टीम वर्क का बेहतरीन उदाहरण बताया। गायत्री परिवार मध्य प्रदेश जोनसमन्वयक श्री राजेश पटेल ने आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला, जिसके अंतर्गत जन्मशताब्दी वर्ष 2026 के प्रयाज कार्यक्रमों को सम्पन्न कराने संबंधी मार्गदर्शन दिया गया।

यज्ञ की व्यवस्थाओं में कई सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संस्थाओं का सहयोग मिला। पूर्णाहुति के अवसर पर उन्हें और व्यवस्थाओं में जुटे प्रमुख सहयोगियों को सम्मानित किया गया। 108 कन्याओं की टीम, जिन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं को संभाला, उनके योगदान की विशेष सराहना की गई।

कुछ प्रमुख बातें

- 600 से अधिक लोगों ने मंत्र दीक्षा और उपनयन संस्कार कराया।
- 11,000 दीपों से विनिर्मित हुआ अद्भुत वातावरण।
- 108 बालिकाओं द्वारा कन्या कौशल शिविर का आयोजन तथा सुरक्षा व्यवस्था संभालना।
- स्वास्थ्य शिविर, पुस्तक मेला और प्रदर्शनी का आयोजन।

विवेकानंद जयंती पर निकाली भव्य मशाल रैली

मण्डीदीप में 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के शुभारंभ से एक दिन पूर्व यज्ञ स्थल पर स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती के उपलक्ष्य में 'राष्ट्रीय युवा दिवस' बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य में भव्य मशाल रैली का आयोजन किया गया था, जो खेल मैदान मंडीदीप से प्रारंभ होकर मंगलवारा मार्केट होते हुए यज्ञ स्थल तक पहुँची। रैली का मुख्य आकर्षण 108 कन्याओं द्वारा हाथ में मशाल थामे और गायत्री परिवार के सद्विचारों के स्लोगन के साथ समर्पित उत्साह था। लगभग 600 युवक, युवतियों और गायत्री परिवार के परिजनों ने इसमें भाग लिया।

इस रैली को युवा प्रकोष्ठ शान्तिकुञ्ज के प्रभारी श्री केदार प्रसाद दुबे ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में मनुष्यता तथा विश्व के कल्याण के लिए सर्वोत्तम सूत्र निहित हैं। स्वामी जी की तरह ही हम सबको भी इसी महान संस्कृति को सारे विश्व में स्थापित करना है। कार्यक्रम का संचालन युवा प्रकोष्ठ के दयानंद समेले जी ने किया और आभार रमेश नागर ने व्यक्त किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर मशाल रैली का आयोजन

100 से अधिक लोगों ने व्यसन छोड़ने के संकल्प लिये

51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ

हटा, दमोह। मध्य प्रदेश

हटा के समीपस्थ ग्राम खमरगौर में 4 से 7 दिसंबर तक 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ हनुमान मंदिर प्रांगण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पुंसवन, विद्यारंभ, नामकरण, अन्नप्राशन, यज्ञोपवीत, जन्म दिवस, विवाह दिवस एवं दीक्षा के 150 संस्कार हुये। टोली नायक श्री राम तपस्या द्वारा पर्यावरण प्रदूषण को रोकने हेतु वृक्षारोपण के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने श्रोताओं से कहा कि वृक्षों को मित्र व पुत्र मानकर उनका रोपण करना, एक व्यावहारिक और सार्थक यज्ञ है।

माता भगवती स्मृति उपवन का होगा निर्माण

हटा में महायज्ञ की स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिये बगीचा धाम में 51 पौधे रोपकर माता भगवती देवी स्मृति उपवन के निर्माण का निर्णय लिया गया। उन पौधों का पूजन यज्ञ आचार्य ने पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया एवं उपजोन सह प्रभारी पंडित दिनेश दुबे से संपन्न कराया। 100 से अधिक ग्राम वासियों ने गुटका, तंबाकू, शराब जैसी बुराईयों को छोड़ने का संकल्प लिया। यज्ञ के संयोजक डॉ. जानकी पटेल ने दमोह, पन्ना, छतरपुर से आये श्रमदान, समयदान, अंशदान देने वाले परिजनों का आभार माना।

आध्यात्मिक दृष्टि हो तो हर नारी में देवी के दर्शन होंगे

51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ

मुंडला (छकतला), अलीराजपुर। मध्यप्रदेश

12 जनवरी को ग्राम मुंडला में आयोजित 51 कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ में दिव्य वैदिक मंत्रों के साथ दी गई आहुतियों से पूरा गाँव गूँज उठा। दीप महायज्ञ में हजारों दीप जगमगाये। बड़ी मात्रा में युगसाहित्य का वितरण किया गया।

कार्यक्रम सम्पन्न कराने शान्तिकुञ्ज से श्री सूरतसिंह अमृते की टोली थी। उन्होंने प्रज्ञापुराण कथा सुनाते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में सुख और दुःख का कारण उसकी सोच होती है। यदि हम सकारात्मक सोच रखते हैं तो हमारा घर स्वर्ग बन सकता है, जबकि नकारात्मक सोच हमें नर्क की ओर ले जाती है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर उनके उद्धरण को दोहराया, जिसमें उन्होंने बताया था कि देवी-देवताओं के दर्शन और उनकी कृपा हमारे दृष्टिकोण पर निर्भर है। हमारी दृष्टि में आध्यात्मिकता और पवित्रता हो तो हमें हर नारी में नौ देवियाँ नजर आयेंगी।

इस महायज्ञ में प्रदेश के अनुसूचित जाति विकास मंत्री नागरसिंह चौहान सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि सर्वश्री संतोष परवाल, विक्रमसिंह भयड़िया, पूर्व विधायक मुकेश पटेल और ओमप्रकाश राठौर आदि उपस्थित रहे। गायत्री परिवार ने उनका उपवस्त्र और साहित्य भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष वर्मा ने किया।

यज्ञ की कलश यात्रा और दीक्षा लेते श्रद्धालु बहिन-भाई

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ

उज्जैन। मध्य प्रदेश

विद्यापति नगर, उज्जैन में 6 से 8 जनवरी की तिथियों में 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन सम्पन्न हुआ। शान्तिकुञ्ज से पहुँची श्री सूरत सिंह अमरुते की टोली द्वारा संचालित इस महायज्ञ में 144 भाई-बहिनों ने गुरुदीक्षा ग्रहण की और 25 गर्भोत्सव संस्कार भी हुए। दीपयज्ञ के अवसर पर सुश्री कलावती यादव, नगर निगम सभापति जो माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी की बहिन भी हैं के संग बहिनों ने हाथ में मशाल लेकर यज्ञशाला की परिक्रमा करते हुए नारी सशक्तीकरण का संदेश दिया।

भव्य कलश एवं सद्ग्रंथ शोभायात्रा का शुभारंभ महापौर मुकेश टटवाल ने प्रथम पूजन कर किया। इस कार्यक्रम में कन्या/बालक शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें सेवाभारती की 65 कन्याओं, गुरु आश्रम के 55 बटुकों एवं कॉलोनी के कई बच्चों ने भाग लिया। श्रीयुत श्रीकृष्ण शर्मा जी, प्रज्ञा बैरागी एवं निशा धनोतिया ने उनका मार्गदर्शिन किया।

यज्ञ की पूर्णाहुति के समय प्रसाद स्वरूप 300 तुलसी के पौधे वितरित किए गए। आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी अभियान की उज्जैन उपजोन की समन्वयक एवं कार्यक्रम संयोजिका उर्मिला तोमर ने 50 प्रज्ञा अभियान पत्रिका की सदस्यता लेकर निःशुल्क वितरित करने का संकल्प लिया।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ

रीवा। मध्यप्रदेश

दिनांक 15 से 18 दिसंबर 2024 तक की तिथियों में रीवा में आयोजित 24 कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ के माध्यम से आसपास के क्षेत्र में गायत्री परिवार के सप्त आन्दोलनों को पहुँचाने की प्रबल प्रेरणा दी गई, याजकों को संकल्प भी दिलाये गए। महायज्ञ में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल रीवा की टीम ने गायत्री शक्तिपीठ रीवा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया, जिसमें 110 लोगों के रक्तचाप और मधुमेह की जाँच भी की गई।

नारी जागरण संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ 24 कुंडीय यज्ञ

शिवपुरी। मध्यप्रदेश

गायत्री शक्तिपीठ, फिजीकल रोड पर 21 से 23 दिसम्बर की तिथियों में 24 कुंडीय महायज्ञ समापन हुआ। नारी जागरण सम्मेलन और समाज के नवनिर्माण के लिए दी गई प्रेरणाएँ कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं। यज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर पर 70 से अधिक युवाओं और सैकड़ों वरिष्ठजनों ने गायत्री परिवार के सप्त आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

कार्यक्रम सम्पन्न कराने शान्तिकुञ्ज से डॉ. अशोक ढोके की टोली पहुँची थी। युगऋषि का संदेश देते हुए उन्होंने लोगों को परम पूज्य गुरुदेव के विचारों के सान्निध्य में अपनी मनःस्थिति बदलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सामाजिक परिवर्तन मनःस्थिति बदलने से ही संभव है, दंड व्यवस्था से नहीं। मनःस्थिति बदल जाये तो समाज की परिस्थितियाँ बदलते देर नहीं लगेगी।

जिसके पास श्रद्धा है, जिसने मन और इंद्रियों को वश में कर लिया है, उसे ही ज्ञान मिलता है। ज्ञान पाकर वह शीघ्र ही शान्ति पा लेता है। - गीता

सेवा, साधना और समाज सुधार के प्रगतिशील प्रयास हुए

जन्मशताब्दी वर्ष के लिए वनवासी साधकों का विशेष साधना अनुष्ठान

351 जोड़ों ने अपने क्षेत्र में एक वर्षीय गायत्री साधना अभियान चलाने का संकल्प लिया

सालीटांडा में वनवासी साधकों को सत्प्रेरणाएँ देते श्री महेन्द्र भावसार जी

सालीटांडा, बड़वानी। मध्य प्रदेश

निमाड़ क्षेत्र के वनवासी अंचल में सुप्रसिद्ध गायत्रीतीर्थ गायत्री शक्तिपीठ सालीटांडा में 12 जनवरी को 12 घण्टे का सामूहिक अखण्ड जप रखा गया। इसकी पूर्णाहुति के अवसर पर साधना में भाग ले रहे 351 दम्पतियों ने जन्मशताब्दी वर्ष में युगशक्ति गायत्री को घर-घर तक पहुँचा देने के लिए अपने क्षेत्र के गाँवों में विशेष साधना अनुष्ठान चलाने के संकल्प लिए। खरगोन एवं बड़वानी जिलों के आदिवासी अंचल से आये ये साधक अपने-अपने ग्राम, फल्या में एक वर्ष तक प्रत्येक माह अंतिम रविवार को सामूहिक साधना कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। वे अपने क्षेत्र के सभी लोगों को उसमें भागीदारी के लिए प्रेरित करेंगे। सामूहिक साधना के साथ साधक-श्रद्धालुओं को व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण और युग निर्माण की प्रेरणाएँ दी जायेंगी।

अखण्ड जप एवं एक वर्षीय साधना अनुष्ठान का संकल्प झिरी जामली प्रज्ञापीठ के संचालक प्रकाश नरगावे ने कराया। इससे पूर्व डेमनीया बाबा की समाधि से लेकर शक्तिपीठ तक की कलश यात्रा निकाली गई। सभी अपनी परम्परागत आदिवासी वेशभूषा में थे। कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व कैबिनेट मंत्री अंतर सिंह आर्य ने कलश पूजन करके सबके कल्याण की प्रार्थना की।

संवाददाता श्री महेन्द्र भावसार जी ने बताया कि अखण्ड जप की एक-एक घण्टे की पारी हुई। हर पारी में 351 साधकों की उपस्थिति होती थी। एक पारी में भाई और दूसरी पारी में बहिनें बारी-बारी से जप करते थे।

कार्यक्रम में नशा-कुरीतियों से मुक्त समाज के निर्माण पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार की जिला स्तरीय गोष्ठी भी सम्पन्न हुई, जिसमें उपजोन समन्वयक पन्नालाल बिरला, जिला समन्वयक महेंद्र भावसार, महिला मंडल जिला प्रभारी ममता तोमर सहित विभिन्न आन्दोलनों के प्रभारी उपस्थित रहे। सालीटांडा के रूपसिंह बाबा, डॉ. पी.एस. मेहता, विक्रम जमरे, नानला भाई, गजानंद डावर, कुचिया भाई और आसपास के गायत्री परिजनों का सहयोग रहा।

गायत्री शक्तिपीठ पर नवदम्पति सम्मेलन से आत्मीयता संवर्धन

जीवनसाथी को मित्र के रूप में देखने की प्रेरणा दी

उज्जैन। मध्य प्रदेश

पारिवारिक जीवन में जीवन साथी उस मित्र की आवश्यकता को पूरा करता है, जो पूर्णतया निष्पक्ष, निर्दोष और यथासंभव सही परामर्श देता है। परिवार में पति-पत्नी के हित एक-दूसरे पर निर्भर करते हैं।

श्री महेश आचार्य, उपजोन समन्वयक ने 8 दिसम्बर को गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन पर आयोजित नवदम्पति सम्मेलन को संबोधित करते हुए जीवन में सौहार्द्र और समझ को बढ़ावा देने वाले आदर्श सूत्रों की चर्चा की।

श्रीमती प्रतिभा शर्मा ने कहा कि दाम्पत्य जीवन को सुखद और परिवार को स्वर्ग समान बनाने के लिए परस्पर एक-दूसरे की भावनाओं, विचारों तथा अपेक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए समन्वयपूर्ण व्यवहार करने की आवश्यकता होती है।

सम्मेलन में 16 नवदम्पतियों ने भाग लिया। सभी के सामूहिक विवाह दिवस संस्कार के माध्यम से परम पूज्य गुरुदेव द्वारा प्रदत्त आदर्श वैवाहिक जीवन के सूत्रों की विस्तृत चर्चा हुई। ॐ द्विशरीरं एकप्राणं भविष्यामि। जैसी प्रतिज्ञाएँ दोहराई गईं। श्री एमएल रणधवल ने विवाह दिवस का कर्मकाण्ड सम्पन्न कराया और श्री अल्केश पटेल ने कार्यक्रम का संचालन किया। नागदा से आई पद्मा गोथरवाल की टोली द्वारा प्रस्तुत गीतों ने समारोह में सरसता और भाव संवेदनाओं का संचार किया।

'ॐ द्विशरीरं एकप्राणं भविष्यामि' की शपथ लेते दम्पति

छात्रावास की बालिकाओं को सिखाई जीवन जीने की कला

शाजापुर। मध्य प्रदेश : पाटीदार समाज कन्या छात्रावास शाजापुर में 5 जनवरी को गायत्री शक्तिपीठ शाजापुर द्वारा एक दिवसीय कन्या कौशल शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कक्षा 6 से 12 तक की 122 छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी रही। इस शिविर ने छात्राओं को जीवन में सफल और सक्षम बनने के लिए आवश्यक कौशल और मानसिकता विकसित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।

गायत्री परिवार के वरिष्ठ मार्गदर्शक श्री शैलेन्द्र श्रीवास्तव, श्रीमती मनोरमा सोनी, युवा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक श्री प्रदीप कुमार जायसवाल, श्रीमती सीमा शर्मा और प्रतिष्ठित डॉ. श्रीमती स्मृति ठाकुर जी ने कन्याओं को संबोधित किया। उन्हें आदर्श जीवनचर्या, स्वास्थ्य, योग, आत्म सुरक्षा, आदर्श नारी, व्यावहारिक कुशलता और कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

श्रवणकुमारों का संकल्प समारोह झोला पुस्तकालयों को गति मिली

इंदौर। मध्य प्रदेश

झोला पुस्तकालय योजना को पुनः सक्रिय करने हेतु श्रवणकुमारों का संकल्प समारोह दिनांक 5 जनवरी 2025 को आयोजित हुआ। इसमें जिले से लगभग 200 सक्रिय परिजन उपस्थित हुए। समारोह में मध्यप्रदेश जोन समन्वयक श्री राजेश जी पटेल ने विराट गायत्री परिवार के निर्माण में परम पूज्य गुरुदेव की ज्ञानयज्ञ योजना और झोला पुस्तकालयों के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव द्वारा रचित साहित्य ही विचार क्रांति की कुंजी है, क्योंकि यह साहित्य ऋषि के तप की लेखनी से लिखा गया है, जिसका प्रभाव असाधारण होता है।

कार्यक्रम में इंदौर उपजोन के समन्वयक श्रीयुत् श्रीकृष्ण शर्मा, गायत्री शक्तिपीठ कनाडिया के श्री शंकरलाल शर्मा सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री महेश कानडे ने किया।

मार्मिक प्रेरणा, प्रभावशाली संकल्प

एक वाहन दुर्घटना में अपना दाहिना पैर खो चुके श्री रामेश्वर नागर ने ई-रिक्शा पर ज्ञानरथ चलाने का संकल्प लिया। उनके इस संकल्प से प्रेरित होकर उपस्थित 90 परिजनों ने भी गुरुदेव के 'श्रवणकुमार' बनने और 'झोला पुस्तकालय' चलाने का संकल्प लिया। संकल्प लेने वाले सभी श्रवण कुमारों को व्यक्तिगत और पारिवारिक समस्याओं के समाधान पर आधारित 15 पुस्तकों सहित एक झोला भेंट किया गया।

प्रतिमाह 'श्रवणकुमार' सम्मेलन का आयोजन करने और हर बार नई पुस्तकें उपलब्ध कराने का निर्णय भी इस सम्मेलन में लिया गया।

गायत्री परिवार ने मुख्यमंत्री जी के शराबबंदी के आदेश का स्वागत किया

प्रदेश के 17 धार्मिक स्थलों में शराब की बिक्री पर लगाई गई है रोक

नशा जीवन के लिए अभिशाप है। व्यक्ति शराब नहीं पीता, बल्कि शराब ही व्यक्ति को पी जाती है। तन, मन, धन और जीवन को बर्बाद कर देने वाली शराब की बिक्री को मध्य प्रदेश के 17 धार्मिक स्थलों पर प्रतिबंधित करने का जब मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने आदेश दिया तो शान्तिकुञ्ज और अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रादेशिक संगठन ने उसका हृदय से स्वागत किया।

इस निर्णय से प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और आगे प्रदेश में सम्पूर्ण नशा बंदी का द्वार खुलेगा।

बड़वानी गायत्री परिवार जिला समन्वयक श्री महेंद्र भावसार ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी का यह निर्णय स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाने वाला निर्णय है। शराब उसका सेवन करने वालों के लिए तो घातक है ही, लेकिन जहाँ शराब का सेवन होता है वहाँ का वातावरण सभ्य समाज की आस्था को भी बुरी तरह प्रभावित और परेशान करता है।

73 वर्षीय राम कुमार शाह का प्रेरणादायक अनुभव ज्ञान की खोज में न आयु की सीमा, न धन की आवश्यकता

पचोर। मध्यप्रदेश

ग्राम देवरा निवासी 73 वर्षीय राम कुमार शाह का अनुभव आज हम सभी के लिए एक प्रेरणा है। अखंड ज्योति और युग निर्माण योजना जैसी पत्रिकाओं से जुड़कर उन्होंने जीवन में एक नई दिशा पाई है। पहले उन्होंने यह कहकर इन पत्रिकाओं की सदस्यता लेने से इनकार किया था कि वह पैसे देकर पत्रिका नहीं पढ़ेंगे, लेकिन जब उन्हें मुफ्त में पत्रिका दी गई, तो उन्होंने उसे गहराई से पढ़ा और जीवन में मिले ज्ञान को महसूस किया।

राम कुमार शाह जी ने कहा, उस समय तो मैंने कहा था कि मैं पैसे देकर पत्रिका नहीं पढ़ूंगा, लेकिन जब आपने मुझे दिया तो मैंने पूरी पत्रिका पढ़ी और उसमें मुझे बहुत ज्ञान मिला। उनका यह अनुभव न केवल उनकी उम्र को चुनौती देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि ज्ञान की प्यास कभी थमती नहीं, चाहे उम्र कितनी भी हो।

श्री शाह जी ने दिसंबर 2024 में अपनी सदस्यता राशि पहले ही जमा कर दी, यह बताते हुए कि पता नहीं, भविष्य में क्या होगा, लेकिन आप अभी से राशि ले लीजिए। अब वह इंतजार करते हैं कि अगली पत्रिका कब उनके हाथों में आएगी।

राम कुमार शाह जी का यह प्रेरणादायक अनुभव यह सिद्ध करता है कि जीवन में कभी भी नए ज्ञान की प्राप्ति हो सकती है, आयु या धन कोई भी ऐसी रुकावट नहीं है, जो किसी व्यक्ति को आत्मज्ञान की ओर बढ़ने से रोक सके, बशर्ते हम उसमें रुचि और उत्साह बनाए रखें। उनके जैसे लोग हम सभी को यह सिखाते हैं कि ज्ञान की तलाश कभी रुकनी नहीं चाहिए और सच्चे ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। जीवन में कभी भी नए ज्ञान की प्राप्ति हो सकती है, बशर्ते हम उसमें रुचि और उत्साह बनाए रखें। हम सभी को राम कुमार शाह जी जैसे उत्साही और ज्ञान के प्रति समर्पित व्यक्तित्व से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

स्वास्थ्य परीक्षण और जागरूकता शिविर का आयोजन

उज्जैन। मध्यप्रदेश

गायत्री परिवार उज्जैन, आरोग्य भारती मालवा प्रांत और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी उज्जैन के संयुक्त प्रयासों से गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन पर 25 दिसम्बर को स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ। इसमें 119 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉ. आकांक्षा यादव, संचालिका एसएन कृष्णा हॉस्पिटल ने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता बरतने की प्रेरणा दी।

इस शिविर में 5 चिकित्सकों और 12 पैरामेडिकल स्टाफ ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। सभी रोगियों को निःशुल्क दवाइयाँ दी गईं। शक्तिपीठ के व्यवस्थापक श्री जे.पी. यादव ने बताया कि ऐसे शिविर अब हर महीने आयोजित किये जायेंगे।

सहयोगियों का सम्मान, शक्तिपीठ पर चल रहा शिविर

बुद्धि और विचारशक्ति अच्छी चीजें हैं, लेकिन वे दूर तक नहीं जा सकतीं। भावों से ही गंभीर रहस्यों का उद्घाटन होता है। - स्वामी विवेकानन्द

दक्षिण गुजरात को मिली युगतीर्थ की विशिष्ट प्रेरणा, प्यार और प्रोत्साहन

परम पूज्य गुरुदेव एवं परम वंदनीया माताजी की प्रखर प्राण ऊर्जा से सारे विश्व को आलोकित-अनुप्राणित कर रहे आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी 22 से 24 जनवरी 2025 तक गुजरात प्रवास में थे। उनके इस प्रवास से वलसाड़, नवसारी, डांग, नर्मदा, राजपीपला और वडोदरा जिलों के हजारों कार्यकर्त्ता और श्रद्धालु लाभान्वित हुए। प्रस्तुत हैं समाचार सार-संक्षेप में

युगशक्ति गायत्री के जाग्रत केन्द्र-शक्तिपीठों तथा सुप्रसिद्ध तीर्थों के दर्शन, युगतीर्थ की प्राण चेतना का अभिसिंचन

गायत्री शक्तिपीठ वापी

गायत्री शक्तिपीठ वलसाड़

गायत्री शक्तिपीठ बिगरी

गायत्री प्रज्ञापीठ चिखली

गायत्री प्रज्ञापीठ गणदेवी

वापी, जिला वलसाड : आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी अपने गुजरात प्रवास में सर्वप्रथम 22 जनवरी को गायत्री शक्तिपीठ वापी में पहुँचे। उल्लेखनीय है कि यह स्वयं परम पूज्य गुरुदेव द्वारा प्राण प्रतिष्ठित शक्तिपीठ है। शक्तिपीठ की दिव्यता, वातावरण की पवित्रता व पूज्य गुरुदेव की सूक्ष्म उपस्थिति की अनुभूतियों के बीच सभी कार्यकर्त्ताओं को एकजुट होकर, समाज के सच्चे पथ प्रदर्शक बनकर ज्योति कलश यात्राओं के माध्यम से परम पूज्य गुरुदेव की प्रखर प्राण चेतना को घर-घर में प्रतिष्ठित करने का संदेश दिया।

प्रज्ञापीठ बिगरी और शक्तिपीठ बिलीमोरा

आदरणीय डॉ. चिन्मय जी दिनांक 23 जनवरी को गायत्री प्रज्ञापीठ बिगरी और गायत्री शक्तिपीठ बिलीमोरा के दर्शन करने पहुँचे। उन्होंने उपस्थित नैष्ठिक कार्यकर्त्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए परम पूज्य गुरुदेव एवं परम वंदनीया माताजी के महान व्यक्तित्व का अनुसरण कर देश और समाज की निःस्वार्थ भाव से सेवा करने का संदेश दिया। परिजनों ने गुरुस्मृतियों के प्रेरणादायी संस्मरण सुनाये। इस अवसर पर गायत्री परिजनों के घरों में देव स्थापना का एक विशेष कार्यक्रम भी हुआ।

प्रज्ञापीठ गणदेवी और प्रज्ञापीठ चिखली

प्रवास के अंतिम दिन 24 जनवरी को गणदेवी और चिखली में स्थित गायत्री प्रज्ञापीठों के दर्शन करने पहुँचे। इस अवसर पर डॉ. पण्ड्या जी ने स्थानीय गायत्री परिजनों के साथ आत्मीय भेंट की और उनके साथ विचार-विमर्श किया। इस संवाद में उन्होंने पूज्य गुरुदेव के जीवनदर्शन पर चर्चा करते हुए समाज निर्माण, आध्यात्मिक उत्थान और व्यक्तिगत विकास पर प्रकाश डाला।

गरुड़ेश्वर में माँ भगवती अन्नक्षेत्र के दर्शन

24 जनवरी को माँ भगवती अन्नक्षेत्र, गरुड़ेश्वर में भी दर्शन और प्रणाम कर आशीर्वाद प्राप्त किया। यह पावन स्थल सेवा और समर्पण का जीवंत प्रतीक है।

गायत्री शक्तिपीठ डभोई, वडोदरा : 24 जनवरी को ही वडोदरा जिले के डभोई स्थित गायत्री शक्तिपीठ भी पहुँचे। यह जीवंत और जाग्रत् शक्तिपीठ परम पूज्य गुरुदेव की प्रेरणा और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है।

हरिसिद्धि मंदिर के दर्शन : आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी की टोली ने राजपीपला स्थित प्रसिद्ध हरिसिद्धि मंदिर के दर्शन किये। माँ से मानवमात्र के उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की।

युगतीर्थ के विशेष संदेश ने बढ़ायी 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञों की गरिमा

नवसारी के महायज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि

गाँधीजी और सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाकर समाज की सेवा करें

नवसारी : आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी 23 जनवरी को नवसारी में आयोजित 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के भव्य आयोजन में सम्मिलित हुए। महात्मा गाँधी की ऐतिहासिक दांडी यात्रा और सरदार पटेल के बारडोली सत्याग्रह की साक्षी इस भूमि में उन्होंने परम पूज्य गुरुदेव के आदर्शों पर चलते हुए महापुरुषों की उसी महान परम्परा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मंचासीन गणमान्यों और विशिष्ट अतिथियों को पूज्य गुरुदेव का साहित्य और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

भा.सं. ज्ञान परीक्षा में भाग लेने वाले दिव्यांग बच्चों का सम्मान

हमारा लक्ष्य भावनाओं की शक्ति से दुनिया को बेहतर बनाना है

राजपीपला, जिला नर्मदा : राजपीपला में आयोजित 108 कुंडीय विराट गायत्री महायज्ञ में भाग ले रहे हजारों श्रद्धालुओं को आदरणीय डॉ. चिन्मय जी ने गायत्री चेतना के विस्तार से नवयुग के निर्माण का संदेश दिया, आह्वान किया। उन्होंने गायत्री मंत्र के प्रभाव की चर्चा करते हुए मनुष्य जीवन के सुअवसर को पहचानने और पूज्य गुरुदेव के संरक्षण में जीवन को धन्य बनाने की प्रेरणा दी।

शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि ने कहा कि सच्ची और शुद्ध भावनाएँ दुनिया को बदलने की सामर्थ्य रखती हैं। गायत्री परिवार का लक्ष्य भूली-भटकी मानवता को दिशा देना, दुःखियों को प्रेम देना और भावनाओं की शक्ति से दुनिया को बेहतर बनाना है।

राजपीपला के यज्ञमंच पर कार्यकर्त्ताओं का अभिनंदन

राजपीपला पहुँचने पर शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि का हजारों गायत्री परिजनों ने भावपूर्ण स्वागत किया। कार्यकर्त्ताओं को मिली उनकी आत्मीयता ने इस महायज्ञ को अत्यंत प्रेरणादायी और ऊर्जादायी बना दिया।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी राजपीपला के महायज्ञ में भाग ले रहे श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए

महाविद्यालयों में आयोजित हुईं प्रबुद्ध भावनाशीलों की सभाएँ

आज समाज से नकारात्मकता को हटाकर पूरे उमंग और उत्साह के साथ समाज में सृजनात्मकता, सद्भाव, सदाचार का विस्तार करने की आवश्यकता है। - आदरणीय डॉ. चिन्मय जी

वलसाड़ : गायत्री चेतना केन्द्र, हालर, वलसाड़ के दर्शन किये और वहाँ उपस्थित परिजनों की कुशलक्षेम जानी। परिजनों को युगतीर्थ के आशीर्वाद स्वरूप देवस्थापना चित्र भेंट किये।

गायत्री चेतना केन्द्र वलसाड़ ने शाह एच.एन. कॉमर्स कॉलेज में 'मनःस्थिति बदले, तो परिस्थिति बदले' विषय पर आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी का उद्बोधन रखा था। बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जनों और नैष्ठिक कार्यकर्त्ताओं ने उनका संदेश हृदयंगम किया।

आदरणीय डॉ. चिन्मय जी ने बताया कि आज समाज से नकारात्मकता को हटाकर पूरे उमंग और उत्साह के साथ समाज में सृजनात्मकता, सद्भाव, सदाचार का विस्तार करने की आवश्यकता है। गायत्री महामंत्र का यही संदेश है। यह बुद्धि को सन्मार्ग की ओर प्रेरित करता है और अनीति-अवांछनीयताओं के प्रतिकार के लिए आत्मबल भी प्रदान करता है।

वघई, जिला डांग : 23 जनवरी को वघई स्थित कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी का व्याख्यान रखा गया था।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय के माननीय प्रति कुलपति जी वघई में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. जेड.पी. पटेल को युग साहित्य भेंट करते हुए

उन्होंने 'भारतीय संस्कृति तथा शिक्षा और विद्या' विषय पर मानवीय उत्कर्ष के सरल और व्यावहारिक सूत्रों की चर्चा की। उन्होंने भारतीय शिक्षा प्रणाली की प्राचीन जड़ों और आधुनिक युग में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। साथ ही युवाओं को अपने जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के दर्शन, सरदार पटेल को श्रद्धाञ्जलि

केवड़िया। गुजरात

गुजरात प्रवास के अंतिम दिन आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी राष्ट्र निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल की गौरवगाथा गाती उनकी दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के दर्शन करने भी पहुँचे। राष्ट्र की इस अद्वितीय कृति के दर्शन करते हुए राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सेवा के शाश्वत प्रतीक सरदार पटेल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि यह स्मारक सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन काल की तरह आज भी प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र के उत्थान के लिए एकजुट होने के लिए प्रेरित करता है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के दर्शन के लिए पहुँचा शान्तिकुञ्ज दल

सरदार सरोवर जलविद्युत परियोजना को देखने भी गए, जो सतत ऊर्जा और नवाचार के प्रति भारत के समर्पण का एक शानदार उदाहरण है। 1450 मेगावाट की कुल क्षमता वाली यह परियोजना अक्षय ऊर्जा के माध्यम से प्रगति, आत्मनिर्भरता और हरित भविष्य को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्र के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी के मुम्बई और गुजरात प्रवास में गुजरात जोन समन्वयक शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि श्री उदयकिशोर मिश्रा, डॉ. चिन्मय जी के सहायक डॉ. गोपालकृष्ण शर्मा, श्री कल्पेश पटेल, श्री रविकांत साहू और गुजरात जोन समन्वयक श्री अश्विनभाई जानी ने विशिष्ट सहयोगी की भूमिका निभाई।

चढ़ती आयु में वह काम करें, जिससे बुढ़ापा सुखपूर्वक बीते और जीवनभर वह काम करें, जिससे मृत्यु के उपरान्त भी सुख मिले।

आदरणीय डॉ. चिन्मय जी का मुम्बई प्रवास

युग निर्माण आन्दोलन में सहयोगी वरिष्ठ कलाकारों, उद्योगपतियों को युगतीर्थ सेवन का आमंत्रण दिया

मुम्बई में आत्मीयतापूर्ण स्वागत

अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा युगनायक आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी दिनांक 20 से 24 जनवरी 2024 की तिथियों में मुम्बई और गुजरात के प्रवास पर पहुँचे थे। 20 जनवरी को मुंबई एयरपोर्ट पर गायत्री परिवार के परिजनों ने बड़ी आत्मीयता और श्रद्धा से उनका स्वागत किया। अपनों से अपनी बात के अत्यंत उल्लासपूर्ण संवाद में उन्होंने जन्मशताब्दी वर्ष के गुरुचेतना को घर-घर पहुँचा देने के लिए पूरी तत्परता से सक्रिय होने की प्रेरणा दी।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी मुम्बई में गणमान्य उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए

उद्योगपतियों, अधिकारियों और प्रशासकों से विशेष चर्चा हुई

21 जनवरी को मुम्बई के कई प्रतिष्ठित उद्योगपतियों, सरकारी अधिकारियों और प्रशासकों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई थी। डॉ. चिन्मय जी ने परम पूज्य गुरुदेव के जीवन-दर्शन, अखिल विश्व गायत्री परिवार के उद्देश्य व आदर्शों की चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार पूज्य गुरुदेव के विचार और गायत्री मंत्र न केवल व्यक्तिगत जीवन को आलोकित करते हैं, बल्कि समाज में सद्भाव, करुणा और सकारात्मक बदलाव की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

श्री जगदीशकुमार गुप्ता, श्री हिमेश रेशमिया के परिवार एवं श्री प्रेम सागर जी से मुलाकात

श्री अपूर्व दीवान, श्री फिरोज मिस्त्री एवं श्री विशाल संखे जी को भेंट की शान्तिकुञ्ज की स्मृतियाँ

श्री जगदीशकुमार एम. गुप्ता, जे. कुमार इंफ्राप्रोजेक्ट्स के कार्यकारी अध्यक्ष

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी जे. कुमार इंफ्राप्रोजेक्ट्स के कार्यकारी अध्यक्ष श्री जगदीशकुमार एम. गुप्ता को शान्तिकुञ्ज आने का आमंत्रण देने पहुँचे। उल्लेखनीय है कि श्री गुप्ता जी ने मुंबई अश्वमध यज्ञ के आयोजन में अत्यंत भावभरा सहयोग दिया था। शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि ने उन्हें राष्ट्र के आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

श्री हिमेश रेशमिया, सुप्रसिद्ध संगीतकार

श्री हिमेश रेशमिया जी से मुलाकात करने पहुँचे। परम पूज्य गुरुदेव का साहित्य भेंट कर उनकी युग निर्माणी आस्था का अभिनंदन किया। श्री रेशमिया जी ने बड़ी विनम्रता के साथ अपनी विगत दिनों की सफलता का श्रेय परम पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद को दिया।

श्री प्रेम सागर जी, धारावाहिक रामायण के निर्माता, निदेशक श्री रामानंद सागर के सुपुत्र

श्री रामानंद सागर जी परम पूज्य गुरुदेव से मिले थे। इस अवसर पर उन्होंने रामायण धारावाहिक के निर्माण में पूज्य गुरुदेव की प्रेरणा और आशीर्वाद मिलने की बात कही थी। आदरणीय डॉ. चिन्मय जी ने श्री प्रेम सागर जी से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने वर्तमान समय में कला के माध्यम से समाज के नवनिर्माण संबंधी बिन्दुओं पर अत्यंत मार्मिक चर्चा की, सुझाव दिये।

कैप्टन आशीष आनंद डामले, परशुराम इकोनॉमिक डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन

कैप्टन आशीष आनंद डामले जी से हुई मुलाकात में महाकाल की सूक्ष्म चेतना के प्रभाव से वर्तमान समय में राष्ट्र में हो रहे आध्यात्मिक अभ्युदय की अनुभूतियों पर चर्चा हुई।

श्री अपूर्व दीवान, श्री फिरोज मिस्त्री, श्री विशाल संखे

21 जनवरी को आदरणीय डॉ. चिन्मय जी ने श्री अपूर्व दीवान जी-सीनियर पार्टनर, देसाई और दीवानजी, श्री फिरोज मिस्त्री जी-शापूरजी पलोनजी ग्रुप तथा श्री विशाल संखें जी-डी'मोंडे मेम्बर्स क्लब के संस्थापक से भेंट की। महानुभावों ने उनसे आध्यात्मिक क्षेत्र में मार्गदर्शन लिया। शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि ने मानवमात्र के लिए उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहयोगी बनने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

माननीय डॉ. मोहन भागवत जी तथा माननीय श्री दत्तात्रेय होसबोले जी

मुंबई-गुजरात प्रवास के चौथे दिन आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक माननीय डॉ. मोहन भागवत जी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव माननीय श्री दत्तात्रेय होसबोले जी से भेंट हुई। परस्पर अभिवादन, सम्मान के उपरांत राष्ट्रहित के अनेक विषयों पर विचार विनिमय किया।

माननीय मोहन भागवत जी से मिला गायत्री परिवार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मल्टीमीडिया के क्षेत्र में हुए दो एमओयू

ग्राफिटी मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ

27 जनवरी को देव संस्कृति विश्वविद्यालय और मुंबई स्थित प्रमुख मल्टीमीडिया कंपनी ग्राफिटी मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मल्टीमीडिया के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान और विकास के लिए एक अहम समझौता किया है। इसके अनुसार दोनों संस्थान एआई, जनरेटिव एआई और मल्टीमीडिया से जुड़े नए अनुसंधान प्रयासों पर काम करेंगे। इसके लिए तकनीकी विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करेंगे। यह एमओयू देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी और ग्राफिटी मल्टीमीडिया के निदेशक एवं सीईओ श्री मुझल बी. श्रॉफ के नेतृत्व में औपचारिक रूप से संपन्न हुआ।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय और ग्राफिटी मल्टीमीडिया प्रा. लिमिटेड के साझा अनुसंधान कार्यक्रमों का उद्देश्य सांस्कृतिक और ऐतिहासिक

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी श्री मुझल बी. श्रॉफ को परम पूज्य गुरुदेव का साहित्य भेंट करते हुए

धरोहर के संरक्षण एवं विकास के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना है। दोनों संस्थान मिलकर 2डी और 3डी एनीमेशन परियोजनाओं के साथ-साथ उच्च-स्तरीय एआई अनुप्रयोगों पर काम करेंगे।

सेफएक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ

दिनांक 30 जनवरी 2025 को देव संस्कृति विश्वविद्यालय और सेफएक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और डाटा विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को लेकर एक महत्त्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किए गए। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी और सेफएक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डाटा साइंस के प्रमुख श्री पल्लव कुमार मिश्रा जी ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच अनुसंधान, नवाचार और औद्योगिक सहयोग के नए द्वार खोलेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ यह साझेदारी छात्रों को तकनीकी और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकें और समाज के उत्थान में योगदान दे सकें।

इस गठबंधन का उद्देश्य न केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना है, बल्कि उद्योग और शिक्षा के बीच एक सशक्त सेतु का निर्माण करना है, जिससे आने वाली पीढ़ी को ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाया जा सके।

शान्तिकुञ्ज के आसपास की कॉलोनियों में किया संपर्क

खंडवा, मध्यप्रदेश से 443 और सुल्तानपुर, उत्तरप्रदेश से 350 कन्याएँ शान्तिकुञ्ज में 21 से 29 जनवरी 2025 तक की तिथियों में आयोजित विशेष कन्या कौशल प्रशिक्षण शिविर में आमंत्रित थीं। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस (24 जनवरी) के दिन ये बालिकाएँ अपने नियमित जनसंपर्क अभियान का दिग्दर्शन कराने शान्तिकुञ्ज के आसपास की कॉलोनियों में निकल पड़ीं। दस-दस बालिकाओं की लगभग 24 टोलिया निकलीं और 5 घंटे के कार्यक्रम में लगभग 400 घरों में संपर्क किया। यह कार्यक्रम हिमालय कॉलोनी, वीआईपी कॉलोनी, गायत्री विहार, सत्यम विहार एवं हरिपुर कलाँ में चलाया गया।

यह अभियान कन्याओं और कॉलोनी वासी-दोनों के लिए बहुत ही उत्साहवर्धक एवं ऊर्जादायी था। कन्याओं ने घर-घर जाकर शान्तिकुञ्ज से उनके जुड़ाव की जानकारी ली। कन्याओं को यह सुनकर बड़ी प्रसन्नता हुई कि यहाँ के अधिकांश लोग शान्तिकुञ्ज में आकर अपने संस्कार कराते हैं और वे अपने रिश्तेदारों को शान्तिकुञ्ज के दर्शन कराने लेकर आते हैं। उन्होंने शान्तिकुञ्ज स्थित आचार्य श्रीराम शर्मा शताब्दी चिकित्सालय की सेवाएँ प्राप्त होने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। कुछ लोगों ने बताया कि छुट्टी के दिन वे शान्तिकुञ्ज के भोजनालय में आकर प्रसाद ग्रहण करते हैं।

बालिकाओं ने घर-घर जाकर लोगों की कुशलता पूछी, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थनाएँ कीं। बीमार व्यक्तियों से मिलकर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए महामृत्युंजय मंत्र का उच्चारण करते हुए प्रार्थना

जनसंपर्क अभियान में निकली एक टोली

की। लोगों को मिशन की पत्रिकाएँ और साहित्य भेंट किये। घर-घर जाकर स्टीकर लगाए। दुकानदार, ऑटो रिक्शा चालकों से भी संवाद किया। पुलिस थाना प्रभारी भी बालिकाओं के इस ऊर्जादायी अभियान से बहुत प्रसन्न हुए।

वीआईपी कॉलोनी की सभासद श्रीमती लखेडा ने बताया कि वह पिछले छः वर्षों से देव संस्कृति विश्वविद्यालय में जूट के बैग बनाकर अपना परिवार चला रही है।

इस जनसंपर्क अभियान में आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी की बेटी कुमारी आहुति भी शामिल हुई और उत्साहपूर्वक नेतृत्व किया। खंडवा से आए अभिभावक श्री बृजेश पटेल और सुल्तानपुर से आए श्री राकेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में यह जनसंपर्क अभियान चला।

शान्तिकुञ्ज में छाया वसंत

हमें अपनी भावनाओं की शक्ति से रुग्ण समाज को बदलना होगा

श्रद्धेय डॉक्टर प्रणव पण्ड्या जी एवं श्रद्धेया जीजी द्वारा दिया गया पर्व संदेश

युग परिवर्तन का आधार है साधना और भावनाओं की शक्ति - श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी

वसंत परिवर्तन का संदेश लेकर आता है। हमारा मूल मंत्र है 'हम बदलेंगे-युग बदलेगा, हम सुधरेंगे-युग सुधरेगा'। व्यक्ति से व्यक्ति बदले, व्यक्ति से परिवार बदले, परिवार से समाज बदले, यही परम पूज्य गुरुदेव का मूल सिद्धांत है। हमें इसके लिए रोल मॉडल बनना है।

साधना और भावनाओं की शक्ति युग परिवर्तन का आधार है। जिन्होंने स्वयं को बदला है, वही दूसरों को बदलने में समर्थ हुए हैं। हमारा गायत्री परिवार पारिवारिक भावनाओं से चल रहा है। यह क्रम चलता रहा तो सारे देश में, सारे विश्व में क्रांतिकारी परिवर्तन हो जाएगा।

हमें अपने जीवन में बदलाव लाने के लिए परम पूज्य गुरुदेव के विचारों को आत्मसात करना होगा। उसके बाद हमें लोगों को सकारात्मक और श्रेष्ठ विचारों से जोड़ना है। हम अपनी भावनाओं की शक्ति और परम पूज्य गुरुदेव के विचारों से रुग्ण समाज को बदल देंगे। हमारे देव संस्कृति विश्वविद्यालय के विद्यार्थी विचार क्रांति का सशक्त माध्यम बन रहे हैं।

जब जीवन में बसंत आता है तो कमाल हो जाता है। - श्रद्धेया शैल जीजी

बसंत एक प्रवाह है, एक हूक है। यह बसंत जीवन में नई प्रेरणा, नई उमंग और नए साहस का संचार करता हुआ आता है। जब भावनाओं के रूप में शबरी के जीवन में बसंत आया तो भगवान राम स्वयं आते हैं। मीरा का जहर का प्याला स्वयं कृष्ण आकर पी जाते हैं और मिट्टी के द्रोणाचार्य एकलव्य को वह विद्या सिखा देते हैं जो स्वयं द्रोणाचार्य अर्जुन को नहीं सिखा पाये।

बसंत किसी उम्र का मोहताज नहीं होता। 89 साल की उम्र में तुलसीदास जी के जीवन में वसंत आया तब उन्होंने रामचरितमानस लिखना शुरू किया था। सातवलेकर जी ने रिटायरमेंट के बाद वेदों का भाष्य आरंभ किया। महाराणा प्रताप संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए सारी शारीरिक सुख-सुविधाओं को ताक पर रखकर घास की रोटी खाकर भी दुश्मनों से लड़ जाते हैं।

माताजी की जन्मशताब्दी आ रही है। हे गुरुदेव! आपने हमको जो वासंती चोला पहनाया है, उसकी लाज रखने में हम पीछे नहीं हटेंगे, हमें शक्ति देना, भक्ति देना।

वसंत पर्व पर गुरुदीक्षा संस्कार कराते परिजन और एक दिन पूर्व निकाली गई प्रभात फेरी

दो दिवसीय कार्यक्रमों में आत्मिक उत्थान की प्रेरणा और अभिव्यक्तियाँ

वसंत पंचमी के विशेष कार्यक्रमों का शुभारंभ परम पूज्य गुरुदेव एवं परम वंदनीया माताजी के विशेष वीडियो संदेश के साथ हुआ। तत्पश्चात् श्रद्धेय डॉक्टर साहब और श्रद्धेया शैल जीजी ने धर्मध्वज पूजन, ध्वजारोहण किया। परम पूज्य गुरुदेव के बोध दिवस और वसंत पंचमी के निमित्त विशेष पूजन के उपरांत प्रज्ञागीतों की प्रस्तुति के बीच उन्होंने अखिल विश्व गायत्री परिवार के करोड़ों लोगों को अपना प्रेरणा और शुभकामनाओं से ओतप्रोत संदेश दिया।

संस्कार : वसंत पंचमी आत्मिक उत्कर्ष की हिलोरें लेकर आती है। श्रद्धेय द्वय ने पर्व पूजन और पर्व संदेश देने से पूर्व ऐसी ही उमंगों से लबरेज सैकड़ों परिजनों को गायत्री उपासना, साधना का महत्त्व बताते हुए गायत्री महामंत्र की दीक्षा दी। वसंत पंचमी के दिन बटुकों के यज्ञोपवीत, नामकरण, मुण्डन, विद्यारंभ, विवाह सहित कई संस्कार बड़ी संख्या में सम्पन्न हुए।

भव्य प्रभातफेरी : दो दिवसीय कार्यक्रमों का शुभारंभ 1 फरवरी को प्रातःआरती के पश्चात् आरंभ हुए 24 घंटे के अखण्ड जप के साथ हुआ। प्रातःकाल भव्य प्रभातफेरी का आयोजन किया गया। शान्तिकुञ्ज आश्रमवासियों और शिविरार्थियों ने मिलकर शान्तिकुञ्ज, हरिपुर कलाँ और देव संस्कृति विश्वविद्यालय परिसर को जोशीले नारों और जय-जयकारों से नवचेतना जागरण का संदेश दिया।

जीवन के सौभाग्य का वरण करें

पर्व की पूर्व संध्या पर आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने अपना विशेष संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वसंत ऋतु का यह समय जीवन में नए उत्साह और ऊर्जा को लाने का है और हमें इसका उपयोग अपनी आत्मिक और सामाजिक उन्नति के लिए करना चाहिए। यह समय सौभाग्य को जगाने आया है, हमें केवल अवसर को पहचानना है।

यज्ञ एवं दीपयज्ञ : परम पूज्य गुरुदेव के आध्यात्मिक जन्म दिवस के उपलक्ष्य में प्रातःकालीन यज्ञ में विशेष आहुतियाँ दी गईं। सायंकाल दीप महायज्ञ के माध्यम से पूज्य गुरुदेव के महान व्यक्तित्व की चर्चा की गई।

प्रज्ञा अभियान का मध्यप्रदेश संस्करण

इस वसंत पंचमी से श्रद्धेय द्वय ने प्रज्ञा अभियान के मध्य प्रदेश संस्करण का विमोचन करते हुए प्रज्ञा अभियान के क्षेत्रीय संस्करणों का शुभारंभ किया है। क्रमशः अन्य प्रांतों के संस्करण आरंभ करने के प्रयास भी हो रहे हैं।

विश्वस्तरीय साधना महापुरश्चरण आरंभ

श्रद्धेय डॉक्टर साहब ने वसंत पंचमी से होली पूर्णिमा (13 मार्च 2025) तक चलने वाले चालीस दिवसीय विश्वस्तरीय साधना महापुरश्चरण का ऑनलाइन संकल्प कराया।

विमोचन : माँ की संस्कार शाला के पाठ्यक्रम की प्रथम पुस्तक। हर माह की एक, कुल 12 पुस्तकें प्रकाशित होंगी। **मराठी में ऑडियो बुक** (कुल 4), **प्रज्ञागीत** (ज्योति कलश यात्रा एवं गुरु महिमा पर आधारित), **पॉडकास्ट** (कर्म, साधना, युवा सहित विभिन्न विषय)

गणतंत्र दिवस पर छाया राष्ट्रभक्ति का उल्लास

समारोह में दिखाई दी नारीशक्ति के गौरव की झाँकी

ध्वजारोहण के पश्चात् परेड में विभिन्न दस्तों की सलामी लेती श्रद्धेया शैल जीजी

गायत्री तीर्थ शांतिकुंज, देव संस्कृति विश्वविद्यालय और गायत्री विद्यापीठ में मनाए गए 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में मातृशक्ति के गौरव की दिव्य झाँकी देखी गई। बहिनों के बैण्ड दस्ते ने ही मुख्य अतिथि श्रद्धेया शैल जीजी का स्वागत किया। ध्वजारोहण के पश्चात् परेड ने राष्ट्र ध्वज को सलामी दी। परेड में बैण्ड वादक बहिनों का दल, शंखनाद करती बहिनों का दल, लाठी संचालक बहिनों का दल, गायत्री विद्यापीठ की गाइड्स आदि कई रूपों में मातृशक्ति राष्ट्रध्वज का वंदन करती दिखाई दी। केसरिया वस्त्र धारी बहिनों के विभिन्न दलों में परम पूज्य गुरुदेव के संरक्षण-मार्गदर्शन में राष्ट्र के वैभवशाली गौरव को पुनः प्रतिष्ठित करने की उमंगें हिलोरें लेती देखी जा सकती थीं।

इससे पूर्व श्रद्धेया शैल जीजी ने अत्यंत उमंग और उत्साहभरे वातावरण में शान्तिकुञ्ज एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय में देसंविवि. के प्रति कुलपति आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी की विशेष उपस्थिति में ध्वजारोहण किया। राष्ट्र गान के बाद देशभक्ति से संबंधित विविध सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम हुए। विद्यार्थियों और शान्तिकुञ्ज के कार्यकर्त्ताओं ने आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं।

देश के युवा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपने नैतिक, सामाजिक अनुशासन और कर्त्तव्यों को निष्ठापूर्वक निभायें।
- श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी

ध्वजारोहण के समय श्रद्धेया शैल जीजी और आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने युवाओं से शिक्षा और संस्कारों के विस्तार के साथ राष्ट्र को नैतिक एवं सांस्कृतिक स्वतंत्रता दिलाने में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

देसंविवि के कुलाधिपति एवं अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी ने अपने संदेश में परम पूज्य गुरुदेव द्वारा बताए गए आदर्शों का स्मरण दिलाया। उन्होंने देश के युवा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपने नैतिक, सामाजिक अनुशासन और कर्त्तव्यों को निभाने की प्रेरणा दी।

उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन

शान्तिकुञ्ज परिवार के 2300 भाई-बहिनों द्वारा शंखनाद के साथ माननीय प्रधानमंत्री जी ने किया उद्घाटन

38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में शंखनाद करते शान्तिकुञ्ज परिवार के भाई-बहिन

शंखनाद

इस वर्ष उत्तराखण्ड प्रान्त 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी कर रहा है। महाराणा प्रताप स्टेडियम, देहरादून में 28 जनवरी 2025 को इन राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ, जिसके मुख्य अतिथि देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी रहे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना और अनुशासन के पालन की शपथ दिलाने के उपरांत राष्ट्रीय खेलों के शुभारंभ की घोषणा की। इस अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के 2300 से अधिक कार्यकर्त्ताओं द्वारा की गई दिव्य शंखध्वनि से पूरा स्टेडियम गूँज उठा।

हजारों लोगों द्वारा शंखनाद के साथ खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तराखण्ड सरकार द्वारा किया गया एक विशिष्ट प्रयोग था, जिसकी जिम्मेदारी शान्तिकुञ्ज को दी गयी। शान्तिकुञ्ज ने पूरी तत्परता और उत्साह के साथ इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना के उत्थान का संदेश दिया।

शंखनाद कार्यक्रम में शान्तिकुञ्ज और देव संस्कृति विश्वविद्यालय के सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिन, अधिकारी, शिक्षक और हजारों विद्यार्थियों ने भाग लिया। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई जिलों से लगभग 800 कन्याएँ इस विशिष्ट प्रयोग का अंग बनने के लिए उपस्थित थीं। अपने केसरिया गणवेश में पूरे स्टेडियम में वे अपनी विशिष्ट छटा बिखेरते एवं वासंती उल्लास प्रकट करते हुए अलग दिखाई दे रहे थे। लगभग आठ दिनों के अथक परिश्रम और अभ्यास के बाद यह ऐतिहासिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

श्रीमती शैलबाला पण्ड्या शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार स्वामी श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट (टीएमडी) गायत्री नगर, श्रीरामपुरम, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार द्वारा प्रकाशित तथा उत्तर भारत लाइव, एच.सी.एल. कम्पाउण्ड, सहारनपुर रोड़, निरंजनपुर, देहरादून-248001 (उत्तराखंड) में मुद्रित।
संपादक- प्रमोद शर्मा। **पता** :- शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार (उत्तराखंड), पिन 249411. फोन-(01334) 260602

सम्पर्क सूत्र : पंजीयन एवं पूछताछ
फोन : 01334-311004
ईमेल : pragyaabhiyan@awgp.in
समाचार भेजने के लिए
ई-मेल : news@awgp.org

Publication date: 12.02.2025
Place: Shantikunj, Haridwar
RNI-NO.38653/ 1980
Postel R.No. UA/DO/DDN/ 16 / 2024-26
Licenced to Post Without Prepayment vide WPP No. 04/2024-26